वर्ष-11 | अंक- 03 | भोपाल, 08 सितंबर से 14 सितंबर 2025 तक
पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक
न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

बुंदेलखंड पन्ना हीरा और महावीरों की है धरती : सीएम मोहन

पन्ना में शीघ्र होगा मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन
106 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन
मुख्यमंत्री ने पन्ना जिले के अमानगंज में महिला सम्मेलन में हितलाभ वितरित किये

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पन्ना हीरा और महावीरों की धरती है। ईश्वर ने पन्ना को विशेष आशीर्वाद दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण के लिए हमारी सरकार कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सभी बहनों को अनेक योजनाओं की सौगात दीं। लाड़ली बहनों को 250 रुपए राखी का शगुन अलग से भेजा गया है। अब लाड़ली बहनों को दीपावली के बाद भाई-दूज से हर माह 1500 रुपए प्रति माह मिलेंगे। धीरे-धीरे वर्ष 2028 तक लाड़ली बहनों को 3000 रुपए देंगे। लाड़ली बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। कुछ दिन पहले एक सर्वे आया है कि जहां-जहां लाड़ली बहना योजना लागू की गई हैं। वहां घरों में सुख-समृद्धि आई है। प्रदेश सरकार हर कीमत पर माताओं-बहनों के सम्मान की रक्षा करेगी और उन्हें आर्थिक समृद्धि प्रदान करने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को पन्ना जिले के अमानगंज में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना जिले को 106 करोड़ लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना और बुंदेलखंड में आज भी महाराज छत्रसाल और आल्हा-ऊदल की वीरता की गाथाएं गाई जाती हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र त्याग और बलिदान में कभी पीछे नहीं रहा। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने पराक्रम दिखाया और बहनों के सिंदूर उजाड़ने वालों को सबक सिखाकर बदला लिया। पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की बड़ी निर्ममता से हत्या की थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सेना दुश्मन देश में घुसी और आतंकियों को मिट्टी में मिला दिया।

कृषि उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा बुंदेलखंड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर जिले में उद्योगों को बढ़ावा दे रही है और युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर संभव कार्य कर रही है। प्रदेश में पुलिस के 22 हजार 500 पदों पर भर्ती की जा रही है। सालभर में कुल 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्तियां होंगी। अब मध्यप्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश को 1 लाख करोड़ की नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिलेगा। बुंदेलखंड के किसान अपनी जमीन न बेचें। भविष्य में बुंदेलखंड कृषि उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत सरकार ने गरीब-जरूरतमंदों को पक्के मकान दिए हैं। नल जल योजना के माध्यम से घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। आयुष्मान योजना से 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त हो रहा है। राज्य सरकार भी स्कूली बच्चों को स्कूटी, लैपटॉप, छात्रवृत्ति, गणवेश, साइकिल, कॉपी-किताब सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की विकास कार्यों की घोषणाएँ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे जल्द ही मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन करने के लिए पन्ना आएंगे। पन्ना को खजुराहो से रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी। पन्ना में एक स्टेडियम और स्थाई हेलीपैड बनाया जाएगा। अमानगंज में अस्पताल के उन्नयन सहित विधानसभा क्षेत्र गुनौर में सात उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने, सलेहा में नवीन महाविद्यालय की स्थापना, देवेन्द्रनगर के शासकीय महाविद्यालय में नवीन संकाय प्रारंभ करने एवं स्कूल उन्नयन, अगस्त्य मुनि आश्रम के सौंदर्यीकरण, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के तहत बरगी नहर सिंचाई प्रणाली की उद्वहन सिंचाई परियोजना की घोषणा की। इस परियोजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र के 114 गांव लाभांवित होंगे और 25 हजार हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। मुख्यमंत्री ने गढ़ीपडरिया के वृन्दावन बांध की क्षमता बढोत्तरी कर नहरों के जीर्णोद्धार कार्य सहित गुनूसागर सिंचाई परियोजना की भी घोषणा की। सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत हैं। 12 हजार 500 करोड़ के जल जीवन मिशन में पन्ना जिले की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पन्ना और गुनौर विधानसभा क्षेत्र में अस्पताल, नदी के पुल, खेल मैदान, सड़क जैसे अनेक विकास कार्य प्रगति पर हैं। पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और विधायक गुनौर श्री राजेश वर्मा ने भी संबोधित किया।

विकास प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की योजनाओं पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टालों पर प्रदर्शित सामग्री देखी। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग श्री रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक पवई श्री प्रहलाद लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे परमार, नगर पालिका अध्यक्ष पन्ना श्रीमती मीना पाण्डेय, कमिश्नर सागर संभाग श्री अनिल सुचारी, पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती हिमानी खन्ना, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री ललित शाक्यवार, कलेक्टर श्री सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण एस थोटा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक एवं माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

आज निज निवास गणनायक पर @BJPMP सागर ग्रामीण जिले की नवीन गठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से भेंट कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती, जनसंपर्क की सक्रियता एवं आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करने संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए 'निर्भय दादा' का नाम हमेशा अमर रहेगा : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूर्व मंत्री स्व. श्री निर्भय सिंह पटेल अपनी ईमानदारी और सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए जाने जाते हैं। सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के लिए उनका नाम हमेशा अमर रहेगा। स्व. श्री पटेल का नाम आज भी बड़े आदर के साथ लिया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में पूर्व वन मंत्री स्व. श्री पटेल के 29वें पुण्य स्मरण दिवस पर निर्भयसिंह पटेल स्मृति विचार मंच द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अंतरविद्यालयीन भारतीय मंत्री स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी शामिल हुये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिताओं से नई पीढ़ी के अच्छे वक्ता सामने आते हैं। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल में शास्त्रार्थ होते थे, जो अब वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का रूप ले चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेल, खेल, कृषि और रक्षा विभाग सहित सभी विभागों के बजट में काफी वृद्धि हुई है और देश का विकास तीव्र गति से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को

पुरस्कार प्रदान किये। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि स्व. श्री निर्भय सिंह पटेल अपनी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के लिए हमेशा याद किए जाते रहेंगे। उन्होंने अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से इंदौर की राजनीति में अलग ही पहचान स्थापित की। श्री तोमर ने कहा कि प्रतिकूलता में से अनुकूलता निकालने की जो कला स्व. श्री पटेल में थी वह अनूठी ही थी। उन्होंने सुझाव दिया कि इस वर्ष की वाद-विवाद प्रतियोगिता के विषय में भारत सरकार के कृषि, रेल और खेल विभाग को शामिल किया गया है। अगले वर्ष से रक्षा विभाग को भी शामिल किया जाना चाहिए। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि स्व. श्री निर्भय सिंह पटेल की तरह सार्वजनिक जीवन में ईमानदार रहकर हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। स्व. श्री पटेल ने प्रदेश में एक ईमानदार और सशक्त मंत्री के रूप में अपनी पहचान स्थापित की जो आज भी याद की जाती है। विधायक मनोज पटेल ने कहा कि यह उनके पिता दादा श्री निर्भय पटेल की स्मृति में आयोजित होने वाला एक ऐसा कार्यक्रम है, जो युवाओं को लम्बे समय से देश के बारे में सोचने और नई दिशा देने के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर स्व. श्री निर्भय सिंह पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने और श्री जीतू जिराती ने आभार माना। वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष विषय के विजेता छात्र श्री जय मिश्रा और विपक्ष विषय के विजेता छात्र श्री संघमित्र भार्गव ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक देपालपुर श्री मनोज पटेल, श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री सुदर्शन गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में विजेताओं को दो लाख तीस हजार रुपए की नगद राशि पुरस्कार स्वरूप वितरित की गई। डेली कॉलेज के छात्र संघमित्र भार्गव ने अपने उत्कृष्ट तर्क-वितर्क से प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि द्वितीय स्थान पर साउथ वैली स्कूल के छात्र अथर्व राठौर रहे।

कार्यक्रम

गणेश उत्सव में भी थीम बना ऑपरेशन सिंदूर, युवाओं में राष्ट्र प्रेम सराहनीय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के गुलमोहर कॉलोनी में शिवाजी फाउंडेशन और श्रीगणेश उत्सव समिति के गणेश चतुर्थी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुलमोहर गणेश उत्सव समिति द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर केंद्रित प्रदर्शनी और झांकी देखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना सराहनीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से पड़ोसी शत्रु ही नहीं बल्कि विश्व को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है।

सीएम बोले- खतरे से आंख मूंद शुतुरमुर्ग बने कांग्रेसी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़े की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न्यायालय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की धज्जियां उड़ाने वाली पार्टी है, जिसने भगवान राम के नाम पर दंगे कराए, तीन तलाक से मुस्लिम बहनों की जिंदगी नरक बनाई और धारा 370 थोपकर 40 हजार निर्दोषों की जान ली। सीएम ने कहा कि – %विपक्ष शुतुरमुर्ग की तरह खतरे से आंख मूंदकर जनता को भ्रमित कर रहा है, जबकि भाजपा के तपोनिष्ठ कार्यकर्ता कच्ची मिट्टी के नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय वन नेशन, वन इलेक्शन का है और कांग्रेस के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है।

17 दिनों में हम अपने कामों को नीचे तक लेकर जाएं

ष्टरू ने कहा- 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर सेवा पखवाड़े चलेगा। सारी गतिविधियां और कार्यक्रम चलेंगे। आज के समय हमारी भूमिका को जनता के बीच जिस ढंग का माहौल हमारे विपक्षी लोग कर रहे हैं। दुनिया भारत को सम्मान और गर्व की निगाह से देख रही है। आज के इस दुविधापूर्ण समय में कांग्रेस अपना काम कर रही है। लेकिन, हम अपनी पार्टी और केन्द्र सरकार के एक-एक काम को सेवा पखवाड़े के माध्यम से नीचे तक ले जाएं। और ताकत के साथ हम अपने विषय रखें। हम अपनी जड़ें और नीचे तक बनाते जाएं। ये 17 दिन का समय हमारे लिए हमारी पूरी व्यवस्थाओं को नीचे तक विश्वास बनाने का अवसर है। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव भाजपा ने प्राप्त किया है।

आइडियोलॉजी को लेकर कोई दुविधा नहीं

सीएम ने कहा- शहजादों की भाषा उनके अपने आचरण और व्यवहार जो अपने आपको पार्टी भले ही कहती हो। लेकिन, सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक पार्टी भाजपा है। हम अपने एक-एक काम से संदेश दे रहे हैं। भाजपा के कार्यकर्ता यदि काम कर रहे हैं तो वह राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत होकर सांस्कृतिक धारा में तपोनिष्ठ कार्यकर्ता की तरह अपनी भूमिका निभा रहे हैं। राजनीतिक विचारधारा में आइडियोलॉजी को लेकर कोई दुविधा नहीं हैं।

हमारी सफलता से दुश्मन बौखलाए हैं

सीएम ने कहा- हमारी राजनीतिक यात्रा जनसंघ के जमाने से शुरू हुई थी। उस यात्रा के आधार पर हमने सफलता के परचम लहराए हैं। हमारी सफलता से दुश्मन बौखलाए हुए हैं। दुश्मनों के हालात आज उनके लिए तो करो या मरो के समान हैं।

शादी से इनकार किया तो युवती की नाक काटी

दिनेश जाटव, आरोपी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के गांधीनगर में एकतरफा प्यार में एक युवक ने युवती के नाक पर धारदार हथियार से वार कर दिया। हमले में युवती को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक सीहोर का रहने वाला है। हाल ही में वो युवती के घर के पास गांधीनगर में किराए पर रहने आया था। गांधीनगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय युवती गांधीनगर में रहती है। वहीं, 24 वर्षीय आरोपी युवक दिनेश जाटव सीहोर जिले के दोराहा का रहने वाला है। दिनेश सीहोर में ड्राइवरी करता है। गुरुवार को दिनेश ने मिलने के लिए बुलाया था। जब ?वह मिलने पहुंची, तो दिनेश ने उसे जबरदस्ती अपनी बाइक पर बैठाया। इसके बाद वो उसे लेकर आईटी पार्क के पास चला गया। यहां दिनेश ने युवती पर उससे शादी करने के लिए दबाव बनाया। जिस पर युवती ने शादी करने से मना कर दिया। जिसके बाद दिनेश ने पास में रखा चाकू निकाला और युवती की नाक पर वार कर दिया। इससे नाक का ऊपर का हिस्सा कट गया। घटना की जानकारी पीड़िता ने कॉल कर अपनी मां को दी। बेटे के साथ मौके पर पहुंची मां ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

नाबालिग को बैड टच के आरोप, युवक ने लगाई फांसी

भोपाल में पड़ोसी महिला ने थाने में की थी शिकायत; कहा- मेरी बेटी से छेड़छाड़ की

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में एक युवक ने नाबालिग लड़की से बैड टच के आरोप के बाद सुसाइड कर लिया। युवक का उसकी मां से विवाद हुआ था। जिसके बाद महिला थाने पहुंची और युवक के खिलाफ बेटी से छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज करा दी। घटना अशोका गार्डन इलाके में गुरुवार रात की है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने युवक को उसके घर से हिरासत में लेकर थाने आई। यहां कुछ घंटे बाद दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया था। इसके बाद युवक ने जान दे दी। युवक के भाई ने कहा कि वह महिला के झूठे आरोपों से घबरा गया था।

पत्नी को अपशब्द कहने पर महिला को पीटा था

निखिल अग्रवाल (21) ऑटो चालक था। एक साल पहले अक्टूबर महीने में उसने एक युवती से लव मैरिज की थी। इसके बाद से ही अशोका गार्डन इलाके में किराए का कमरा लेकर रह रहा था। उसके भाई नीलेश अग्रवाल ने बताया कि निखिल का इसी बिल्डिंग में रहने वाली अन्य किराएदार महिला से विवाद हो गया था। महिला दूसरे किराएदार से विवाद कर रही थी। इस दौरान उसने निखिल की पत्नी से भी बहस शुरू कर दी। बहस बढ़ने पर महिला ने अपशब्द कहे। जिसके बाद निखिल ने महिला और उसके पति के साथ मारपीट कर दी। जिसके बाद महिला थाने पहुंची।

थाने से लौटने के बाद दोनों पक्षों में फिर विवाद

थाने से लौटने के बाद महिला ने उसे बात करने के लिए अपने कमरे में बुलाया। यहां महिला और उसके पति से बात करने के बाद निखिल अपने कमरे में लौटा। उसने फांसी लगा ली। शुक्रवार की दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद बॉडी को परिजनों के हवाले कर दिया गया।

आखिरी बातचीत का ऑडियो सामने आया

निखिल ने सुसाइड से पहले अपने मकान मालिक से फोन पर बात की थी। उनसे बताया कि महिला उस पर अनर्गल आरोप लगा रही थी। उसने महिला और उसके पति के साथ मारपीट जरूर की है। लेकिन गलत तरीके से बेटी को छुआ नहीं है। मकान मालिक उसे समझा रहे हैं। हालांकि कुछ देर बाद निखिल ने सुसाइड कर लिया।

टीआई बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

अशोका गार्डन थाना टीआई अनुराग लाल ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। परिजन के डिटेल बयान दर्ज नहीं किए गए हैं। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री @DrMohanYadav जी के पूज्य पिताजी श्रद्धेय पूनम चंद यादव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे ?

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है। वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा

डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है। यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा %एक मोड़% है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फ इस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है। हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं। वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं।

संपादकीय

अमेरिका में रह रहे भारतीय चुप क्यों हैं?

अक्सर देखा जाता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर अमेरिका में बसे भारतीय और भारतीय मूल के लोग बड़े जोश के साथ इंडिया डे परेड या अन्य सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाते हैं, तो बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी उनके स्वागत में उमड़ पड़ते हैं और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठता है। यह दृश्य निश्चित ही भावनाओं को छूने वाला होता है और मातृभूमि के साथ जुड़ाव को दर्शाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं— जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है। देखा जाये तो देशभक्ति केवल उत्सवों और नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी राजनीति, मीडिया और नीतिगत हलकों में प्रभावशाली है तो इस प्रभाव का इस्तेमाल भारत की छवि और हितों की रक्षा में क्यों नहीं किया जाता? जब भारत के खिलाफ नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं या अमेरिकी मीडिया में भारत-विरोधी नैरेटिव सामने आ रहे हैं, तब सामूहिक और मुखर आवाज़ का अभाव कहीं न कहीं प्रवासी देशभक्ति की सीमाओं को उजागर करता है। संभव है कि यह चुप्पी यानी दोहरी निष्ठा के आरोपों से बचने की व्यावहारिक रणनीति हो। यह भी हो सकता है कि भारतीय-अमेरिकी अपने कॅरियर और सामाजिक सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाना चाहते। लेकिन तब सवाल यह उठता है कि क्या देशभक्ति केवल सुरक्षित अवसरों तक ही सीमित रहेगी? देखा जाये तो भारत आज वैश्विक मंच पर उभरती शक्ति है और उसे प्रवासी भारतीयों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन की ज़रूरत है। ऐसे में भारतीय-अमेरिकियों को यह तय करना होगा कि उनकी देशभक्ति केवल परेड और नारे तक सीमित है या फिर वे कठिन समय में भी भारत के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाएँगे। लेकिन भावनाओं से परे इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देखा जाये तो भारतीय-अमेरिकी बड़ी संख्या में अमेरिका की कॉर्पोरेट दुनिया, आईटी सेक्टर, मेडिकल प्रोफेशन और वित्तीय संस्थाओं में ऊंचे पदों पर हैं। लेकिन इन सबके बावजूद वे अमेरिकी राजनीतिक तंत्र में अभी भी अल्पसंख्यक माने जाते हैं। किसी भी राजनीतिक विवाद पर खुलकर बोलना उनके लिए कॅरियर और सामाजिक हैसियत पर असर डाल सकता है। खासकर, ट्रंप जैसे नेता जिनकी राजनीति आक्रामक और विभाजनकारी रही है, उनके खिलाफ बोलना भारतीय-अमेरिकियों को असुरक्षित कर सकता है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय को अमेरिका में अक्सर कहा जाता है— यानि एक अनुशासित, मेहनती और कानून का पालन करने वाला समुदाय। इस छवि को बनाए रखना उनके लिए सामाजिक पूंजी का हिस्सा है। यदि वे अमेरिकी नीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाते हैं, तो यह छवि टूट सकती है और उन्हें असहज अल्पसंख्यक के रूप में देखा जा सकता है। अधिकांश भारतीय-अमेरिकी यह मानते हैं ।

मां के अपमान पर विचलित भाजपा,
महिला सम्मान के संस्कार क्यों भूल जाती है?
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

शारिक मछली के खिलाफ पूरक चालान होगा पेश

2016 मारपीट केस में क्लीन चीट देने वाले तत्कालीन टीआई को नोटिस जारी

न्यूज क्राइम फाइल

शारिक मछली

भोपाल में लव जिहाद, ड्रग तस्करी, अपहरण और जमीनों पर अवैध कब्जे जैसे गंभीर आरोपों से घिरे शारिक मछली पर बुलडोजर एक्शन के बाद अब कानूनी शिकंजा भी कस सकता है। अशोका गार्डन पुलिस धारदार हथियार से हमला कर घायल करने के एक पुराने मामले में उसके खिलाफ पूरक चालान पेश करने की तैयारी में है। वहीं, इस केस की जांच के दौरान शारिक को क्लीनचिट देने वाले तत्कालीन थाना प्रभारी अनूप उड़के को नोटिस जारी किया गया है।

2016 मारपीट मामला जांच के घेरे में

अशोका गार्डन निवासी राजेश तिवारी की शिकायत पर 1 अक्टूबर 2016 को मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था, 30 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे पुल बोगदा से लौटते समय उनकी कार को एक्टिवा सवार युवकों ने टक्कर मारी। इसके बाद तारीक मछली, शारिक मछली और उनके दो साथियों ने राजेश तिवारी के साथ मारपीट की और धारदार हथियार से हमला किया। अशोका गार्डन पुलिस ने इस घटना की एफआईआर तो दर्ज की, लेकिन दो साल तक चालान पेश नहीं किया और लगातार जांच का हवाला देती रही।

8 सालों से पेशी पर नहीं गए आरोपी

राजेश तिवारी का कहना है कि जब मामले में चालान पेश हुआ, तो शारिक और तारिक मछली का नाम हटा दिया गया था। चालान केवल दो अन्य आरोपियों के खिलाफ पेश किया गया। दोनों आरोपी भी पिछले आठ वर्षों में पेशी पर नहीं गए। इनके खिलाफ कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी हुए, लेकिन पुलिस ने कभी कार्रवाई नहीं की। मामले की जांच कर रहे उस समय के थाना प्रभारी अनूप उइके ने शारिक और तारिक को क्लीन चिट देते हुए रिपोर्ट में लिखा कि घटना के समय दोनों मौके पर मौजूद ही नहीं थे।

अपहरण मामले की जांच 40 दिन से लंबित

राजेश तिवारी का कहना है कि 2016 की घटना में उनके साथ गंभीर मारपीट शारिक ने ही की थी। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने इस मामले में शारिक और तारिक मछली के खिलाफ पूरक चालान पेश करने के आदेश दिए हैं। तिवारी का कहना है कि अब उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि शारिक के खिलाफ उनकी दूसरी शिकायत, जिसमें अपहरण, बंधक बनाकर मारपीट और 50 हजार रुपए की ऑनलाइन वसूली का मामला है- की जांच 40 दिन से लंबित है और अब तक इस पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

शारिक मछली को टीआई ने दी क्लीन चीट

तत्कालीन थाना प्रभारी उइके ने जांच में रिजवान और शोएब को आरोपी माना, 14 जुलाई 2018 को चालान पेश किया, लेकिन शारिक और एक अन्य का नाम हटा दिया। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद पूरक चालान पेश होगा।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

website: www.newscrimefile.com

email: newscrimefile@yahoo.com

आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से आत्मीय भेंट की।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

शिवपुरी में 6.21 करोड़ की 30 किलो चरस जब्त

तस्कर भी गिरफ्तार, पुलिस को नेपाल कनेक्शन मिला; अब संपत्ति की होगी जांच

न्यूज क्राइम फाइल

शिवपुरी पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 किलो 295 ग्राम चरस जब्त की है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 6 करोड़ 21 लाख रुपए बताई गई है। मामले में आरोपी संदीप सिंह सिख (38), निवासी रमतला, कोलारस को गिरफ्तार किया गया है। एसपी अमन सिंह राठौड़ के मुताबिक, गुरुवार को देहात थाना प्रभारी जितेंद्र मावई को सूचना मिली कि मझेरा गांव, कोटा-झांसी फोर लेन पर एक युवक बड़ी खेप लेकर पहुंचने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। उसके पास से दो बैगों में रखे 60 पैकेट चरस और एक नई किओ कार जब्त की गई। जांच में सामने आया कि संदीप सिंह ने यह खेप नेपाल से मंगवाई थी। नेपाल से टमाटर का व्यापार करने वाला मोहन ठाकुर यह खेप ट्रक में छुपाकर लाया और संदीप को सौंप दी। राजस्थान की पार्टी से सौदा तय हुआ था, लेकिन पुलिस की दबिश से आरोपी पहले ही पकड़ लिया गया।

ऐसे आया पुलिस की पकड़ में

पुलिस के मुताबिक, कुछ महीने पहले गुना की केंट पुलिस ने आरोपी संदीप सिंह को 650 ग्राम अफीम के साथ पकड़कर जेल भेज दिया था। यहीं जेल में उसकी मुलाकात बंटी नाम के कैदी से हुई। बंटी ने संदीप को भरोसा दिलाया कि वह उसे राजस्थान की बड़ी पार्टी से मिलवा सकता है, जो चरस की भारी खेप खरीदने को तैयार है। करीब एक माह पहले जब दोनों जेल से बाहर आए, तब बंटी ने संदीप की मुलाकात उस राजस्थान की पार्टी से कराई। इसके बाद संदीप सिंह ने नेपाल से चरस की यह खेप मंगवाई। मोहन ठाकुर नाम का टमाटर व्यापारी यह खेप नेपाल से ट्रक में छुपाकर अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पार करके शिवपुरी लाया और संदीप सिंह को सौंप दी। डील तय हुई कि राजस्थान की पार्टी चरस लेने शिवपुरी आएगी और मझेरा गांव (कोटा-झांसी फोर लेन) पर डिलीवरी पॉइंट तय किया गया। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने दबिश देकर संदीप सिंह को पकड़ लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी ने सिर्फ 7 दिन पहले ही नई किओ कार खरीदी थी, जिससे वह चरस की डिलीवरी देने पहुंचा था।

ढाबे से होटल तक- 7 साल का काला सफर

संदीप सिंह के माता-पिता मूलतः पंजाब के रहने वाले हैं। कई साल पहले वे कोलारस आकर बस गए और 10 बीघा जमीन लेकर खेती करने लगे। संदीप दो भाइयों में से एक है। कोरोना काल के दौरान संदीप ने कोलारस बायपास पर एक छोटी झोपड़ी में ढाबा खोला। इसी ढाबे से उसने अवैध नशे का कारोबार शुरू किया। धीरे-धीरे वह अफीम, गांजा और चरस बेचने और सप्लाई करने लगा। सिर्फ 7 साल में जिस झोपड़ी में ढाबा था, वहां अब दो मंजिला होटल खड़ा है। इसके अलावा उसने काली कमाई से कई जमीनें और मकान खरीदे हैं। एसपी अमन सिंह राठौड़ ने यह भी कहा है कि आरोपी ने अचानक ही पैसा बनाया और प्रॉपर्टी खड़ी कर ली। अब उसकी संपत्ति की जांच भी होगी।

आरोपी का नेटवर्क और आपराधिक रिकॉर्ड

मोहन ठाकुर लखनऊ का रहने वाला है। वही नेपाल से टमाटर की खेप ले जाने वाला व्यापारी है, जिसने नेपाल से चरस लाकर संदीप को देता था। बंटी कैदी साथी जिससे जेल में मुलाकात, जिसने राजस्थान की बड़ी पार्टी से संदीप का कनेक्शन कराया। संदीप सिंह का रिकॉर्ड, पहले भी कई मामले दर्ज, जिनमें एनडीपीएस, आबकारी एक्ट और गुना-कोलारस थानों में अपराध शामिल हैं। पिछले वर्ष उससे 03 करोड़ 49 लाख रुपए की 17 किलो चरस भी जब्त हुई थी।

बैठक

माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला जी की अध्यक्षता में सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में आयोजित GSTCouncil की 56वीं बैठक की गौरवमयी झलकियां, बैठक में मध्यप्रदेश के वित्त और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी शामिल हुए।

सभी देशवासियों, विशेषकर जनजातीय समुदाय के अपने परिवारजनों को करमा पूजा की ढेरों शुभकामनाएं। भाई-बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक इस त्योहार में प्रकृति पूजन का भी विशेष महत्व है।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

हॉकी एशिया कप- भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराया

मनप्रीत, सुखजीत, शिलानंद और विवेक ने गोल दागे; सुपर-4 में टॉप पर पहुंची इंडिया

न्यूज क्राइम फाइल

हॉकी एशिया कप के सुपर-4 स्टेज में भारत ने मलेशिया को 4-1 से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सुपर-4 के पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन भी हासिल कर ली। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत से मनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और विवेक सागर प्रसाद ने गोल दागे। मलेशिया से इकलौता गोल शफीक हसन ने पहले मिनट में किया। सुपर-4 स्टेज में भारत का पहला मैच साउथ कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहा था। टीम इंडिया अब 4 पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर पहुंच गई। चीन दूसरे और मलेशिया तीसरे नंबर पर है। कोरिया बाहर हो गई। चौथे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकी। भारत ने इस क्वार्टर में अपना ध्यान डिफेंस पर ही ज्यादा लगाया। फुल टाइम के बाद स्कोर 4-1 रहा और भारत ने मुकाबला जीत लिया।

चौथे क्वार्टर में डिफेंस पर जोर दे रहा भारत

चौथे क्वार्टर में टीम इंडिया डिफेंस पर ज्यादा जोर देते नजर आई। तीसरे क्वार्टर तक टीम ने 4-1 की बढ़त बना ली थी, इसलिए भारत ने अपना डिफेंस स्ट्रॉन्ग कर लिया।

तीसरे क्वार्टर में 1 ही गोल लगा

तीसरा क्वार्टर खत्म होने के बाद टीम इंडिया 4-1 से आगे रही। इस क्वार्टर में भारत से विवेक सागर प्रसादन ने फील्ड गोल किया। मलेशिया पिछले 2 क्वार्टर में दबाव में नजर आया।

पेनल्टी कॉर्नर चूका भारत, विवेक ने फील्ड गोल दागा

तीसरे क्वार्टर के 8वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। टीम यहां गोल नहीं कर सकी, लेकिन बॉल पजेशन भारत के पास ही रहा। अभिषेक ने मौका देखकर मनप्रीत को पास दिया। मनप्रीत ने गोलपोस्ट के करीब विवेक सागर को पास दिया, उन्होंने मौका भुनाया और गोल दाग दिया।

कृष्ण बहादुर ने पेनल्टी कॉर्नर में गोल बचाया

तीसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। कॉर्नर पर मलेशिया ने बेहतरीन शॉट लगाया, लेकिन गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अपने दाएं तरफ हॉकी स्टिक लगाई और गोल होने से बचा लिया।

तीसरे क्वार्टर का खेल शुरू

तीसरे क्वार्टर का खेल शुरू हो चुका है। हाफ टाइम तक टीम इंडिया 3-1 के स्कोर से आगे रही। भारत से मनप्रीत, सुखजीत और शिलानंद ने गोल दागे। मलेशिया के लिए शफीक हसन ने स्कोर किया।

हाफ टाइम तक आगे हुआ भारत

पहले क्वार्टर में मलेशिया ने लगातार अटैक किया और एक गोल दागकर स्कोर 1-0 से अपने पक्ष में कर लिया। दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने अटैक किया और 3 गोल दागकर स्कोर 3-1 से अपने हक में कर लिया। इसी स्कोर के साथ हाफ टाइम हुआ और टीम इंडिया आगे हो गई।

शिलानंद लाकड़ा ने भी गोल किया

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 3 गोल दागे और स्कोर 3-1 से अपने पक्ष में कर लिया। 24वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मिड लाइन से मलेशिया के गोलपोस्ट के करीब पास दिया। शिलानंद लाकड़ा ने हॉकी स्टिक को गोलपोस्ट की ओर दिखाया गोल कर दिया। उन्हीं के असिस्ट पर दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने गोल भी दागा था।

सुखजीत ने भारत को बढ़त दिलाई

दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया काउंटर अटैक करते नजर आई। मैच के 16वें मिनट में मनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। 2 मिनट बाद सुखजीत सिंह को शिलानंद लाकड़ा ने पास दिया, सुखजीत ने फील्ड गोल दागा और भारत को 2-1 से आगे कर दिया।

भारत को लगातार 5 पेनल्टी कॉर्नर मिले, मनप्रीत ने गोल दागा

दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही टीम इंडिया को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। हरमनप्रीत सिंह गोल नहीं दाग सके, लेकिन भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। इसी कॉर्नर के चलते भारत को लगातार 5 पेनल्टी कॉर्नर मिले। 5वें कॉर्नर पर मनप्रीत सिंह ने गोल दागा और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट ट्रायल शुरू करेगी स्टारलिंक

दावा- इलॉन मस्क की कंपनी को टेलीकॉम डिपार्टमेंट से मंजूरी मिली; 10 जगहों पर बेस स्टेशन बनाएगी

न्यूज क्राइम फाइल

इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में हाई स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट का ट्रायल शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने सैटेलाइट को ट्रायल के लिए प्रोविजनल स्पेक्ट्रम दिया है। ये स्पेक्ट्रम कंपनी को 6 महीने के लिए ट्रायल चलाने की इजाजत देता है। कंपनी अब भारत में 10 जगहों पर बेस स्टेशन बनाएगी, जिसमें मुंबई मुख्य केंद्र होगा। इसके अलावा स्टारलिंक ने इक्विपमेंट इंपोर्ट करने के लिए लाइसेंस भी मांगा है, जिसमें लैंडिंग स्टेशन हार्डवेयर भी शामिल है। यह हार्डवेयर सैटेलाइट

सिग्नल को जमीन के नेटवर्क से जोड़ेगा। ट्रायल के दौरान सिक्योरिटी और टेक्निकल स्टैंडर्ड्स की जांच होगी, इसके बाद स्टारलिंक हाई स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट ऑफिशियली लॉन्च कर सकती है।

टेलीकॉम डिपार्टमेंट को रिपोर्ट देगी स्टारलिंक

सरकार ने स्टारलिंक के सामने सख्त सिक्योरिटी शर्तें रखी हैं। कंपनी को सभी डेटा भारत में स्टोर करना होगा और इंटेलिजेंस एजेंसियों को डेटा शेयर करने की सुविधा देनी होगी। यूजर टर्मिनल्स की डिटेल्स (नाम, पता, लोकेशन) टेलिकॉम डिपार्टमेंट को देनी होगी, और ट्रायल खत्म होने पर पूरी रिपोर्ट जमा करनी होगी।

सैटेलाइट्स से आप तक कैसे पहुंचेगा इंटरनेट ?

सैटेलाइट धरती के किसी भी हिस्से से बीम इंटरनेट कवरेज को संभव बनाती है। सैटेलाइट के नेटवर्क से यूजर्स को हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी इंटरनेट कवरेज मिलता है। लेटेंसी का मतलब उस समय से होता है जो डेटा को एक पॉइंट से दूसरे तक पहुंचाने में लगता है। स्टारलिंक किट में स्टारलिंक डिश, एक वाई-फाई राउटर, पॉवर सप्लाई केबल्स और माउंटिंग ट्राइपॉड होता है। हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए डिश को खुले आसमान के नीचे रखना होगा। iOS और एंड्रॉइड पर स्टारलिंक का ऐप मौजूद है, जो सेटअप से लेकर मॉनिटरिंग करता है।

31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाना मोदी सरकार का संकल्प है। जब तक सारे नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

कृषिमंत्री शिवराज पंजाब बाढ़ में कमर तक पानी में उतरे

किसानों से फसलों का हाल जाना; बोले- 2 केंद्रीय टीमें नुकसान का आकलन कर रहीं

न्यूज क्राइम फाइल

बारिश और बाढ़ से बिगड़े हालात का जायजा लेने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को पंजाब पहुंचे। अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद केंद्रीय मंत्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्र अजनाला पहुंचे। यहां किसानों ने उन्हें खराब हुई फसलों के बारे में बताया। उनके साथ कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला और BJP जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग मौजूद रहे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री डेरा बाबा नानक एरिया में ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे। ट्रैक्टर पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ चला रहे थे। यहां केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ के पानी में उतरकर लोगों से बात की। कांग्रेस विधायक अरूणा चौधरी ने कहा कि हर साल इन इलाकों में बाढ़ आती है। तीन महीने के लिए इन इलाकों में अस्थाई पुल हटा दिया जाता है। सन्नी दियोल ने एक करोड़ के क़रीब पैसा भेजा था, लेकिन पुल नहीं बन पाया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने अमृतसर हवाई अड्डे पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने मुलाकात की और 5 जिलों अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन और फिरोजपुर में नुकसान की रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पंजाब भेजा है, ताकि वह जमीनी हालात का सीधा आकलन कर सकें। बताया कि केंद्र की दो टीमें पहले ही पंजाब पहुंच चुकी हैं। ये टीमें अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करेंगी, जिसे प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। इसके बाद वह बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करने रवाना हुए। देर रात केंद्रीय मंत्री ने कपूरथला के विभिन्न गांवों में व्यास नदी की बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान शिवराज ने कहा कि पंजाब हमेशा देश की सेवा में सबसे आगे रहा है। आज जब राज्य बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहा है, केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी।

पंजाब देश का गौरव है

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पंजाब हमेशा से देश की शान रहा है। जब भी देश पर संकट आया, पंजाब ने उसे अपने सीने पर झेला है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में पंजाब की भूमिका बेहद अहम रही है और इसके लिए वह पंजाब को प्रणाम करते हैं।

1400 गांवों पर बाढ़ का असर

शिवराज ने बताया कि अब तक 1400 गांवों के प्रभावित होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि वह खुद इन गांवों का दौरा करेंगे और लोगों से मिलकर उनकी परेशानियां समझेंगे। साथ ही फसलों और संपत्ति को हुए नुकसान का भी जायजा लेंगे।

केंद्र सरकार पूरी तरह साथ खड़ी है

शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें हालात का आकलन करने के लिए पंजाब भेजा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाब के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी। उनके साथ केंद्रीय मंत्री बिट्टू, जाखड़ और पार्टी महासचिव भी रहेंगे।

केंद्रीय टीमें करेंगी नुकसान का आकलन

उन्होंने बताया कि आज दो केंद्रीय टीमें पंजाब पहुंच चुकी हैं। इनमें कृषि, ग्रामीण विकास, सड़क, ऊर्जा, वित्त और जल शक्ति विभाग के अधिकारी शामिल हैं। ये टीमें प्रभावित गांवों का दौरा कर नुकसान का विस्तृत आकलन करेंगी और अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपेंगी।शिवराज ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान लोगों की सेवा और राहत कार्यों पर है, इसलिए फिलहाल वह किसी सवाल का जवाब नहीं देंगे।

गुरदासपुर में बोले मंत्री- किसान की फसल के साथ जिंदगी बर्बाद होती है

गुरदासपुर एरिया में मंत्री शिवराज चौहान ने लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कोई भी फसल हो, मैंने गन्ने की फसल को बर्बाद होते देखा है। जब फसल बर्बाद होती है तो वो फसल नहीं, बल्कि किसान की जिंदगी भी बर्बाद होती है। उसके बच्चों का भविष्य बर्बाद होता है। घरों में पानी भर रहा है, इससे घरों को नुकसान पहुंचा है। घर गिरने लगे हैं। मवेशी जो बंधे थे, वह बचे नहीं हैं। जो खुले थे, जहां जगह मिली वहां चले गए। वह सीमा पार भी चले गए। यह जल प्रलय की स्थिति है। आपको निवेदन करने आया हूं, आपका नुकसान आंखों से देखा है। केंद्रीय टीम भी बाढ़ ग्रस्त एरिया का दौरा करेगी। मैं सिर्फ इतना ही कहने आया हूं कि संकट है, तकलीफ है। लेकिन इस संकट से पार निकालकर आपको ले जाएंगे। हर संभव मदद केंद्र सरकार भी करेगी। यह तो वह प्रदेश है, जब भी देश पर संकट आया है तो सबसे पहले अपने सीने पर सहने का काम किया। आज आपके पास एक सेवक की तरह आया हूं। क्योंकि हर किसान की चर्चा संभव नहीं होती है। लेकिन स्थिति मैंने खुद देखी है। जो समाधान हो सकते हैं, वैसे समाधान करने से कसर नहीं छोड़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi के नेतृत्व में भारत सरकार ने सभी क्षेत्रों में राहत लाने के लिए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की घोषणा की है। कई महत्वपूर्ण वस्तुओं पर कर दरों में कमी के साथ, यह सुधार जीवन को आसान बनाएगा, व्यापार करने में आसानी को और मज़बूत करेगा, छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाएगा और आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

विधायक टेटवाल ने विजयवर्गीय को कहा- शोषितों का संहारक

पचोर में कैलाश विजयवर्गीय ने 13 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गुरुवार को पचोर में 12.77 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लगभग 3 करोड़ रुपए के छह कामों का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए सारंगपुर विधायक गौतम टेटवाल की जुबान फिसल गई, जिन्होंने विजयवर्गीय की तारीफ में उन्हें शोषित, पीड़ित, वंचित समाज का संहारक बता दिया। दोपहर लगभग 1:30 बजे पचोर पहुंचे मंत्री विजयवर्गीय ने एक किलोमीटर से अधिक का रोड शो किया। इस दौरान शहर की 100 से ज्यादा संस्थाओं और परिवारों ने उन पर पुष्पवर्षा और आतिशबाजी कर उनका जोरदार स्वागत किया। मंच पर कन्या पूजन और संत सम्मान के बाद विजयवर्गीय ने 12.73 करोड़ की कुल लागत से 11 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें नगरपालिका कार्यालय भवन, वार्डों में सीसी रोड और नाली निर्माण, मंगल भवन, सामुदायिक भवन और पूरे नगर में सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे काम शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 3 करोड़ के छह कार्यों का लोकार्पण भी किया, जिनमें सामुदायिक भवन, डामरीकरण और सीसी रोड का निर्माण शामिल है।

विधायक टेटवाल की जुबान फिसली

कार्यक्रम के दौरान विधायक गौतम टेटवाल ने दो बार संबोधन में गलती की। पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए उन्हें डॉक्टर...कहा। इसके बाद मंत्री विजयवर्गीय की तारीफ करते हुए, उन्होंने कहा, यह शोषित, यह पीड़ित, यह वंचित समाज के संहारक, यह संस्कृति और संस्कारों के संहारक हैं। विधायक के इस बयान पर मंच पर मौजूद अन्य नेता भी असहज हो गए। मंच पर सांसद रोडमल नागर, जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, मंत्री नारायण सिंह पंवार, विधायक हजारीलाल दांगी, विधायक अमर सिंह यादव और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक नागरिक और कई प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

रोड शो के दौरान दो किसानों की जेब कटी

मंत्री विजयवर्गीय के रोड शो के दौरान भीड़ में दो लोगों की जेब से एक लाख रुपए गायब हो गए। बोड़ा निवासी किसान चंदर सिंह राजपूत और पचोर निवासी दुर्गा प्रसाद राजौरे ने पचोर थाने में 50-50 हजार रुपए जेब से कटने की शिकायत के आवेदन दिए हैं।

सागर कलेक्टर का गिरफ्तारी वारंट जारी

संदीप जी आर
कलेक्टर सागर

न्यूज क्राइम फाइल

सागर में उपभोक्ता आयोग ने कलेक्टर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। दरअसल, आयोग के आदेश के बाद भी किसानों को फसल बीमा की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इस मामले में गुरुवार को जिला उपभोक्ता आयोग की डबल बेंच आरके कोष्ठा और अनुभा वर्मा ने 28 अगस्त को सागर कलेक्टर को यह वारंट जारी किया, इसमें लिखा गया है कि विपक्षी को जारी वारंट से तलब किया जाए। इसकी जानकारी गुरुवार (04 सितंबर) को सामने आई है। इससे पहले बार-बार जमानती वारंट जारी किए जा रहे थे। लेकिन उनके अधिकारी उपस्थित होकर वसूली की राशि अगली पेशी पर जमा करने की बात कहकर तारीख ले लेते थे। लेकिन, अगली तारीख पर वह उपस्थित नहीं हो रहे थे। इसी के चलते ये कार्यवाही की गई है। मामले में अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी।

2014 में पारित हुआ था आदेश

सागर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और परिवादी के अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह मामला राहतगढ़ तहसील के पीपरा गांव का है। साल 2009 में किसान नरेंद्र सिंह, संग्राम सिंह और रविंद्र सिंह ने फसल बीमा से संबंधित परिवाद जिला उपभोक्ता आयोग में पेश किया था। अपील के बाद मामले का निराकरण राज्य आयोग में हुआ। साल 2014 में जिला उपभोक्ता आयोग ने कलेक्टर को राशि देने का आदेश दिया था। उक्त राशि की वसूली के संबंध में मामला 2017 से विचाराधीन है।

न्यायालय के समक्ष जमा की थी 4 लाख की राशि

अधिवक्ता सिंह ने बताया कि सागर कलेक्टर को पूर्व में भी मामले को लेकर वारंट जारी हो चुके हैं। जिस पर उनके अधिकारी व कर्मचारी पेशी पर उपस्थित हुए। लेकिन बीमा की राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ। वारंट जारी होने पर अधिकारी हरकत में आए और करीब 4 लाख रुपए की राशि न्यायालय के समक्ष जमा की गई। लेकिन शेष 70 हजार रुपए की राशि जमा नहीं हुई। यह राशि जमा करने के लिए अधिकारी आनाकानी कर रहे हैं। जिसको लेकर कलेक्टर संदीप जी आर को फिर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

रिश्वत लेते धराए असिस्टेंट मैनेजर और प्यून

न्यूज क्राइम फाइल

झाबुआ जिले के थांदला क्षेत्र में लोकायुक्त इंदौर की टीम ने गुरुवार को भारतीय स्टेट बैंक की खवासा शाखा के असिस्टेंट मैनेजर ऋषभ शुक्ला और बैंक के हाउसकीपर हीरालाल लोहार को रिश्वत मामले में पकड़ा गया है। ग्राम नरसिंगपाड़ा निवासी किराना व्यापारी पंकेश सिंह ने बैंक से 4 लाख रुपए का लोन आवेदन किया था। आरोप है कि लोन स्वीकृति के बदले दोनों ने 40 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। शिकायत पर इंदौर लोकायुक्त ने जांच की और ट्रैप टीम ने हाउसकीपर हीरालाल लोहार को 10 हजार रुपए की पहली किश्त लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर

लिया। मामला ग्राम नरसिंहपारा निवासी पंकेश सिंह पिता गोविंद सिंह उम्र 29 वर्ष से जुड़ा है। जो किराना दुकान का संचालन करता है।

मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

दुश्मन को फंसाने डकैत हनुमान का साथी बताकर भेजा पत्र; प्रयागराज से पकड़ा गया

महिला जज को 5 अरब फिरौती की धमकी

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा जिलें के त्योंथर न्यायालय में पदस्थ जज को धमकी भरा पत्र मिला है। पत्र में लिखा था कि जिंदा रहना है तो पैसा देना पड़ेगा, पत्र में 5 अरब की मांग की गई। फिरौती भरा पत्र त्योंथर न्यायालय के न्यायाधीश मोहिनी भदौरिया को पोस्ट ऑफिस से मिला। धमकी वाले पत्र में आरोपी ने खुद को डकैत हनुमान का साथी बताया गया। न्यायाधीश ने आज (गुरुवार) सोहागी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जज की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर लिया। रीवा एसपी विवेक सिंह का कहना है कि यह घटना 2 सितम्बर की है। पुलिस ने तत्काल शिकायत मिलते ही मामला दर्ज कर लिया। संदेही की गिरफ्तारी के लिए प्रयागराज की ओर टीम रवाना की गई।

रंजिशन फंसाने दुश्मन के नाम से दी थी धमकी

पुलिस ने आरोपी देवराज सिंह को गुरुवार शाम गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 2 सितम्बर को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय त्योंथर को रजिस्ट्री के माध्यम से एक धमकी भरा पत्र मिला था, जिसमें 5 अरब रुपए की मांग की गई थी। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। पत्र प्रेषित करने वाले का नाम पत्र में संदीप सिंह पिता छत्रपाल सिंह निवासी सुन्दरपुर लोहगरा थाना बारा जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश लिखा था। कोर्ट से आवेदन मिलने पर थाना सोहागी में अपराध पंजीबद्ध किया। विवेचना के दौरान ग्राम सुन्दरपुर लोहगरा जाकर संदीप सिंह से पूछताछ की और उसकी हेड राइटिंग ली गई। इसके साथ धमकी भरे पत्र को पूरे गांव में दिखा कर पता किया गया कि यह राइटिंग किसकी हो सकती है। संदीप सिंह से पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि कुछ दिन पहले उसका गांव के ही देवराज सिंह से विवाद हुआ था। उसी ने इसे फंसाने के लिए ऐसा पत्र लिखा होगा। डाक पत्र की जानकारी लेने पर पाया गया कि धमकी भरा पत्र प्रयागराज के डाक घर से रजिस्ट्री किया गया है। इस संबंध में और जानकारी लेने पर पाया गया कि पत्र को ऋरू डाक घर प्रयागराज से रजिस्ट्री किया गया है। जहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया तो पता चला कि 28 सितम्बर को देवराज सिंह ऋरू डाक घर प्रयागराज से पत्र रजिस्ट्री की थी।

मोहिनी भदौरिया, न्यायाधीश

इसके बाद पुलिस ने देवराज सिंह को अभिरक्षा में लिया। उसने पूछताछ में बताया कि संदीप सिंह ने उसके साथ मारपीट की थी, जिसकी रिपोर्ट उसने थाना बारा जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश में की थी। लेकिन वहां की कार्रवाई से वह संतुष्ट नहीं था। जिस कारण बदला लेने और संदीप सिंह को फंसाने के लिए उसने उसके नाम से फिरौती मांगने का धमकी भरा पत्र न्यायाधीश को पोस्ट किया। आरोपी देवराज सिंह से आवश्यक साक्ष्य जब्त किए गए और उसे गिरफ्तार कर त्योंथर न्यायालय में पेश किया गया है।

गहना चोर बैंककर्मी धर्म बदलकर बना जीशान, पूजा-पाठ छोड़ा

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन की एसबीआई ब्रांच से 5 करोड़ के जेवर और 8 लाख कैश चोरी की प्लानिंग करने वाला बैंक का आउटसोर्स कर्मचारी जय भावसार उर्फ जीशान ही निकला। उसी ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। अब पुलिस ने मामले में नया खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल जय के चार दोस्त पिछले 6 माह से धर्म परिवर्तन के लिए उसका ब्रेनवाश कर रहे थे। इसी के चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन करने के वीडियो देखता रहता था। 2 सितंबर को महानंदा नगर ब्रांच में हुई 4 किलो 700 ग्राम सोने की चोरी के मामले में पुलिस ने वहीं पर काम करने वाले जय भावसार और उसके साथी अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर को पकड़ा है।

सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था

पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना के बाद सुबह साफ-सफाई के लिए सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था। उसने ही चोरी की खबर अपने अधिकारियों को दी थी, जिसके बाद पता चला कि बैंक में गिरवी रखा करीब साढ़े चार किलो सोना और 8 लाख रुपए कैश गायब है। घटना को लेकर माधव नगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई गई। एडीजी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच, चार थानों की टीम ने 24 घंटे अंदर चोरी का खुलासा कर दिया।

जय भावसार उर्फ जीशान

यूट्यूब पर धर्म गुरु की बात सुनता था

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जय भावसार चोरी की प्लानिंग का मास्टरमाइंड था। धर्म परिवर्तन कराने को लेकर उसके 4 दोस्त अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर रहे थे। जिसके चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन के वीडियो देखने लगा था।

जय की मां बोली- उसने धर्म बदला मुझे नहीं पता

बिलोटी पुरा के कच्चे मकान में रहने वाली महिला सरोज भावसार को बेटे जय का नया नाम जीशान तक नहीं पता है। उन्होंने बताया कि हमने तो ये नाम कभी सुना ही नहीं। बेटा बाहर किसके साथ रहता था, कौन उसके दोस्त हैं, उसने कभी नहीं बताया। वह घर में पूजा नहीं करता था, लेकिन उसने धर्म भी परिवर्तन नहीं किया है। कभी भी ऐसा नहीं लगा कि उसका झुकाव अन्य धर्म के प्रति है। उसने कुछ नहीं किया है। वह कल (मंगलवार) सुबह गया था। रोजाना शाम को घर आ जाता था, लेकिन अब तक नहीं आया। खास बात यह है कि जय की मां को यह भी नहीं पता कि उनके बेटे ने बैंक में चोरी का बड़ा जुर्म किया है। वह लगातार उसे घर भेजने की बात करती रही।

पूछा- रिश्तेदार आए हैं क्या, जवाब मिला-हां

क्राइम ब्रांच डीएसपी शैलेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि जय उर्फ जीशान से उसके चारों साथियों का हाट पिपलिया में होने का पता चला। हाट पिपलिया में आरोपी के रिश्तेदार थे। घटना के बाद सभी हाट पिपलिया पहुंचे। डीएसपी ने बताया कि जानकारी के अनुसार हम उनके रिश्तेदार की कॉलोनी में पहुंचे। लेकिन, यह पता नहीं चल रहा था कि आरोपी किस घर में हैं। इस दौरान मुझे एक घर से बात करने की आवाज आई। उसी घर के बाहर बैठे एक बुजुर्ग से पूछा कि क्या चाचा आज तो मेहमान आए हुए हैं। बुजुर्ग ने जैसे ही कहा कि हां आज ही आए हैं। इसके बाद हमको लगा कि यही होना चाहिए।

माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला जी की अध्यक्षता में सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में आयोजित
पतत्स्ज्जष्टश्रद्बद्धद्य की 56वीं बैठक की गौरवमयी झलकियां, @nsitharaman जी
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

सीएम बोले- कलेक्टर जिला नहीं चला पा रहे, हटाना होगा

रीवा में लाठीचार्ज से नाराज; कहा- खाद वितरण अव्यवस्था के लिए वही जिम्मेदार होंगे

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन कलेक्टरों की प्रशासनिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई है, जो खाद वितरण के मामले में किसानों का गुस्सा कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। खाद की कमी के नाम पर सरकार की किरकिरी हो रही है। ऐसे जिलों के कलेक्टरों को हटाने पर भी विचार किया जा सकता है। सीएम ने कलेक्टरों से कहा कि, खाद वितरण सही नहीं हुआ, मतलब जिला नहीं चला पा रहे, हटाना होगा। मुख्यमंत्री ने यह नाराजगी रीवा में मंगलवार को खाद वितरण को लेकर उपजे असंतोष और वहां हुए लाठीचार्ज के चलते जताई है। सीएम डॉ. यादव ने प्रदेश के अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों और जिलों में खाद वितरण की स्थिति की सीएम हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की।

खाद की उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में खाद वितरण के संबंध में जिला प्रशासन जरूरी व्यवस्था बनाए। जिलों में उपलब्ध खाद की उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खाद वितरण के संबंध में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से जिला प्रशासन लगातार संवाद और संपर्क में रहे।

रैक आने से 3 दिन पहले किसानों को सूचना दें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाद की रैक आने से पहले किसान संगठनों और अन्य सूचना तंत्रों के जरिए कलेक्टर जिले के किसानों को जानकारी दें कि जिस तारीख को खाद वितरण होने वाला है, उस तारीख को ही लेने आएं। इसके लिए 3 दिन पहले से प्रचार-प्रसार करें, ताकि लोगों को जानकारी रहे कि किस दिन

खाद मिलने वाली है। इससे अव्यवस्था नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन हर स्थिति में किसानों के साथ है।

स्टॉक की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा करें

सीएम ने कहा कि जिलों में उर्वरक उपलब्धता की सघन समीक्षा की जाए। इसके साथ ही जिले में उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा की जाए, जिससे किसानों को जिले में उर्वरक स्टॉक की वास्तविक स्थिति से अवगत कराने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन डबल लॉक, पैक्स और निजी खाद बिक्री केंद्रों का आकस्मिक सत्यापन और उनकी मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से करे।

जिनके नाम छूटे, सर्वे कर उन्हें भी राहत राशि दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जिन-जिन क्षेत्रों में अतिवृष्टि और बाढ़ से फसलों को नुकसान पहुंचा है, वहां राहत के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए। इसके साथ ही जनहानि और पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत उपलब्ध कराई जाए।

रीवा, सीधी में खाद वितरण व्यवस्था सबसे खराब

बैठक में यह बात सामने आई कि खाद वितरण को लेकर सबसे अच्छी व्यवस्था शाजापुर, जबलपुर, दमोह और धार जिले की है। शाजापुर और जबलपुर में किसानों को ऑनलाइन टोकन देने की व्यवस्था है। जब खाद मिलनी होती है तो वे टोकन ले लेते हैं और जब उनका नंबर आता है तो पैसे जमा कर खाद उठा लेते हैं। ऐसे में किसानों के बीच मारामारी की स्थिति नहीं बनती है। इसी तरह दमोह और धार में भी कलेक्टरों के इंतजाम की तारीफ हुई है। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल और सीधी कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के जिलों में खाद वितरण को लेकर कुछ दिन पहले विवाद और लाठीचार्ज की स्थिति बनी थी। इसके चलते ही सीएम ने बुधवार को अचानक बैठक बुलाई।

रीवा में लाइन में लगे किसानों पर लाठीचार्ज हुआ था

दरअसल, रीवा जिले में खाद की किल्लत से परेशान किसानों का गुस्सा मंगलवार (2 अगस्त) देर रात फूट पड़ा था। करहिया मंडी में जब किसान खाद की अपनी मांग पर अड़े रहे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। किसानों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और भीड़ को तितर-बितर किया। लाठीचार्ज में कई किसान घायल हो गए।

पुलिस ने कहा- कंट्रोल के लिए हल्का बल प्रयोग किया

जानकारी के मुताबिक रीवा समेत आसपास के क्षेत्रों में किसान खाद के लिए 24 से 48 घंटे तक लाइन में खड़े रहे। करहिया मंडी में सैकड़ों किसान रातभर लाइन में जमे रहे। लेकिन मंगलवार शाम को काउंटर बंद कर दिया गया। नाराज किसानों ने विरोध जताया तो हालात बिगड़ गए।

दिग्विजय बोले-मोदी ने मां के देहांत पर मुंडन नहीं कराया

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कहा है कि खुद को सनातनी हिंदू कहने वाले मोदी जी ने अपनी मां के देहांत पर मुंडन तक नहीं कराया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को राजगढ़ पहुंचे थे। जहां मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी जी, आपने कितनी सेवा की माता जी की? आप अपने आप को सनातनी हिंदू कहते हैं, लेकिन जब आपकी माताजी का देहांत हुआ तब आपने मुंडन भी नहीं कराया। फिर आप दूसरों को सेवा और संस्कार का पाठ कैसे पढ़ा सकते हैं? दरअसल, दिग्विजय सिंह बिहार के दरभंगा में कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी को गाली दिए जाने के सवाल पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा- गाली किसने दी है? क्या कांग्रेस के किसी वर्कर या नेता ने दी है? मोदी जी खुद गालियां देते हैं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी को उन्होंने

क्या-क्या नहीं कहा? दिग्विजय सिंह ने कहा कि आज देश की असली समस्या गालियां नहीं, बल्कि संविधान पर खतरा, वोट की चोरी, चुनाव आयोग का पक्षपात, महंगाई और बेरोजगारी है। अमीर और गरीब की खाई लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन प्रधानमंत्री लोगों का ध्यान भटकाने के लिए गालियों की चर्चा करते हैं।

जीएसटी संशोधन को गरीबों पर बोझ बताया

जीएसटी संशोधन पर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि भारत एकमात्र देश है, जहां गरीबों पर जीएसटी का बोझ डाला जा रहा है और उद्योगपतियों को राहत दी जा रही है। 5 लाख से कम आय वालों पर 30% तक जीएसटी है जबकि उद्योगपतियों पर टैक्स 22% से भी कम। प्रदेश की राजनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए दिग्विजय ने उमंग सिंघार के आदिवासियों को लेकर दिए बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सबसे पहले आदिवासी ही थे, इसलिए उनका बयान गलत नहीं है। दरअसल, उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा में कहा था कि गर्व से कहो हम आदिवासी है, हिंदू नहीं।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के नेतृत्व में आज केंद्रीय कैबिनेट ने देश में महत्वपूर्ण खनिजों के Recycling को बढ़ावा देने के लिए 1,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

लोगों के घर का बजट बिगड़ा था; दिवाली-छठ पूजा से पहले खुशियां डबल कीं

मोदी बोले-कांग्रेस बच्चों की टॉफी पर भी टैक्स लेती थी

संदीप कुमार सिंह

पीएम मोदी ने टीचर्स डे से एक दिन पहले गुरुवार को दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले 45 शिक्षकों से मुलाकात की। मोदी ने करीब 35 मिनट तक संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने जीएसटी में सुधार, ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े कानून और आत्मनिर्भर भारत पर चर्चा की। मोदी ने कहा हमने आजादी के बाद का अब तक का सबसे बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस बच्चों की टॉफी पर भी टैक्स लेती थी। लोगों के घर का बजट बिगड़ा हुआ था। समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद जरूरी है। मैंने देशवासियों से यह वादा भी किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का डबल धमाका होगा।

1. जीएसटी पर- दिवाली से पहले खुशियों का डबल धमाका

देश में निरंतर रिफॉर्म होते रहने चाहिए। जहां तक सरकार का कमिटमेंट है हम पूरी तरह कमिटेड है। हमारा मानना है कि समय के हिसाब से आगे नहीं चले तो देश को उसका हक नहीं दिला सकते। मैंने लाल किले से कहा था भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म करना बहुत जरूरी है। मैंने देशवासियों से वादा किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का डबल धमाका होगा। कल भारत सरकार ने राज्यों के साथ मिलकर निर्णय लिया। जीएसटी पहले से ज्यादा सरल हो गया है। अब दो ही रेट बचे हैं। यह नवरात्र के पहले दिन से 22 सितंबर से लागू होगा। नवरात्रि से ही देश के करोड़ों परिवारों की जरूरतें और सस्ती हो जाएंगी। धनतेरस की रौनक बढ़ जाएगी।

2. आत्मनिर्भर भारत पर- दूसरों पर निर्भरता आगे नहीं बढ़ा सकती

भारत के लिए आत्मनिर्भरता कोई नारा नहीं है। इसके लिए ठोस प्रयास हो रहे हैं। आप इस विचार का बीजारोपण स्टूडेंट के दिमाग में करते रहे। बच्चा आपकी बात मानता है, उन्हें बता सकते हैं कि दूसरे के निर्भर रहने से देश आगे नहीं बढ़ सकता। मैं चाहता हूं कि असेंबली में भी इसका जिक्र करें। हमें कभी नहीं पता चलता कि हमारे घर में विदेशी चीजें कैसे घुस गईं। बच्चे परिवार में बैठकर एक लिस्ट बनाएं कि दिनभर में कितनी विदेशी चीजें इस्तेमाल कर रहे हैं। जब उन्हें पता चलेगा तो वे इस पर सोचेंगे। उन्हें इसके लिए जागरूक करने का काम शिक्षक ही कर सकते हैं। देश की आवश्यकता के साथ खुद को जोड़ना चाहिए।

3. ऑनलाइन गेमिंग पर- ये नशे की तरह, जिसकी लत लग जाती

एक तरफ हमारी सरकार इनोवेशन पर युवाओं को डिजिटल इंपावर के लिए काम कर रही है। दूसरी तरफ डिजिटल दुनिया के दुष्प्रभाव से भी बचाना होगा। संसद सत्र में हमने ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा एक कानून बनाया है। गेमिंग एंड गैम्बलिंग, दुर्भाग्य से कह सकते हैं कि खेल जुआं बन जाता है। ऑनलाइन गेमिंग से युवा प्रभावित हो रहे थे। आर्थिक नुकसान हो रहा था, परिवार बर्बाद हो रहे थे। आत्महत्या की घटनाएं सामने आ रहीं थीं। ये बीमारी नशे की तरह है जिसकी लत लग जाती है। ये एक चिंता का विषय था। कानून अपनी जगह है लेकिन बच्चों को जागरूक करना होगा। गेमिंग बुरा नहीं है गैंबलिंग बुरा है। हम चाहते हैं गेमिंग सेक्टर में युवा आगे आएं और मार्केट पर कब्जा करें।

4. टीचर्स पर- मां जन्म देती है गुरु जीवन देता है

हमारे यहां शिक्षक के प्रति एक स्वाभाविक सम्मान होता है। शिक्षकों को समझाने के लिए खड़ा होना एक बहुत बड़ा पाप है। मैं ऐसा पाप नहीं करना चाहता हूं बस आपसे संवाद करूंगा। राष्ट्रीय पुरस्कार पाना अपने आप में कोई अंत नहीं है, इसका मतलब है आपकी रीच बहुत बढ़ गई होगी। मैं मानता हूं कि शुरुआत यहीं से है। ये साधना का प्रमाण है। एक शिक्षक सिर्फ वर्तमान नहीं होता बल्कि देश की भावी पीढ़ी को गढ़ता है वो भविष्य को निखारता है। यह भी देश सेवा की श्रेणी में आता है। आज करोड़ों टीचर्स आपकी तरह निष्ठा से देश सेवा में जुटे हैं।

राज्यपाल का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन बुधवार को सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया। राज्यों ने कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है। वे केवल औपचारिक प्रमुख होते हैं। राज्यों ने कहा- केंद्र सरकार कोर्ट के डेडलाइन लागू करने के फैसले को चुनौती देकर संविधान की मूल भावना को कमजोर करना चाहती है। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। पश्चिम बंगाल के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, अगर विधानसभा से पास बिल गवर्नर को भेजा जाता है, तो उन्हें उस पर हस्ताक्षर करना ही होगा। सिब्बल ने तर्क दिया कि संविधान की धारा-200 में गवर्नर के लिए संतोष (सैटिस्फैक्शन) जैसी कोई शर्त नहीं है। उन्होंने कहा, या तो वे बिल पर हस्ताक्षर करें, या उसे राष्ट्रपति को भेज दें। लगातार रोके रखना संविधान की भावना के खिलाफ है। अगर गवर्नर मनमर्जी से बिल अटका दें तो यह लोकतंत्र को असंभव बना देगा।

हिमाचल प्रदेश: गवर्नरों का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

हिमाचल सरकार के वकील आनंद शर्मा ने कहा, संघीय ढांचा (फेडरलिज्म) भारत की ताकत है और यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। अगर गवर्नर बिल रोकेंगे तो इससे केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बढ़ेगा और यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा। गवर्नर का ऑफिस जनता की इच्छा को नकारने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

कर्नाटक- राज्य में 'डायार्की' नहीं हो सकती

कर्नाटक सरकार के वकील गोपाल सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्य में दोहरी सरकार (डायार्की) की व्यवस्था नहीं हो सकती। गवर्नर को हमेशा मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही काम करना होगा।उन्होंने कहा कि संविधान गवर्नर को सिर्फ दो स्थितियों में ही विवेकाधिकार देता है। पहली, जब गवर्नर अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजते हैं और दूसरी, जब कोई बिल हाईकोर्ट की शक्तियों को प्रभावित करता है अनुच्छेद 200 की दूसरी शर्त। इन दो स्थितियों को छोड़कर गवर्नर के पास कोई स्वतंत्र शक्ति नहीं है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623